Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding inclusion of Magahi Language in Eighth Schedule to the Constitution-laid.

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): मगही भाषा को मगधी भाषा के नाम से जाना जाता है, जो मगही का पूर्वज भाषा है, और बाद में उत्पन्न हो कर मगही' के नाम से प्रचलित हुआ । मगधी भाषा भारत और नेपाल के भाग में बोला जाता है । मगही भाषा बोलने वाले लोगो (वक्ताओ) की संख्या लगभग 18 मिलियन है । यह भाषा बिहार के 8 जिलों और झारखण्ड के 3 जिलो में बोली जाती है । वर्ष 1961 के जनगणना मे 8 मगधी को हिन्दी के अन्तर्गत कानूनी रूप से अंगीकार किया गया था । ग्रामरियन कचछ्यानों ने मगधी भाषा के महत्व को उल्लेखित कराते हुआ लिखा है कि " यह भाषा सभी भाषाओं का बुनियाद है ।" ब्राह्मणों और अन्य लोग कल्प के शुरुआत में इस भाषा को बोलते थे और सर्वोच्य एवं पूज्य भगवन वुद्ध भी मगही भाषा बोलते थे । । वर्तमान मगही भाषा का विकास कब हुआ, अज्ञात है, परन्तु भाषा विशेषज्ञों ने मगही भाषा का विकास 8 से 11 वी सेंचुरी माना है । शिशुनाग वंश ने 8 मगध वंश को स्थापित किया । मगध वंश का भारत में शासन 684 BC से 320 बी.सी. तक का उल्लेख हैं जिसका वर्णन रामायण और महाभारत में भी है । मगध के गुप्त वंश और मौर्य वंश के द्वारा भारत के प्राचीन इतिहास को स्थापित करने के लिए विभिन्न भाषाओं का विकास किया । मगध साम्राज्य के अन्तर्गत ही अधिकांश लोगो द्वारा मगही भाषा का प्रयोग किया जाता है । अतः सरकार से आग्रह है कि देश एवं विदेश के बिभिन्न भागों में बोले जाने वाली मगही भाषा को संविधान के 8 वीं अनुसूची में जोड़ने की कृपा की जाय ।